COURSE NAME – M.Ed 1ST SEMESTER

SUBJECT NAME & CODE

PSYCHOLOGY OF LEARNING & DEVELOPMENT

(C.C.1)

शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ,प्रकृति, तथा क्षेत्र

शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ (MEANING OF EDUCATION PSYCHOLOGY) =

शिक्षा मनोविज्ञान दो शब्दों से मिलकर बना है शिक्षा और मनोविज्ञान | शिक्षा बालक और मनुष्य के व्यवहार में परिवर्तन लाती है जबकि मनोविज्ञान बालक या मनुष्य के व्यवहार का परिमार्जन करता है | इस प्रकार शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ व्यक्ति तथा समाज के व्यवहार को परिमार्जित करना है |
शिक्षा के तीन रूप है- औपचारिक , अनौपचारिक व निरौपचारिक इन तीनो के द्वारा व्यक्ति के व्यवहार में अपेक्षित परिवर्तन लाये जाते है | इसका अर्थ यह है कि व्यवहार परिमार्जन चाहे किसी भी माध्यम से किया जाए , किसी भी परिस्थिति में किया जाये यदि वहा पर मनोविज्ञान के नियमों सिद्धांतो ,सूत्रों का प्रयोग किया जाये तो उसे शिक्षा मनोविज्ञान कहते है |

शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ (MEANING OF EDUCATION PSYCHOLOGY) =

1 शिक्षा मनोविज्ञान का केंद्र - मानव व्यवहार है |

2 शिक्षा मनोविज्ञान - खोज तथा निरीक्षणो से प्राप्त तथ्यों का संग्रह |

3 शिक्षा मनोविज्ञान , शैक्षिक समस्याओं का समाधान अपनी स्वयं की पद्धति से करता है |

बी.एफ स्कीनर के अनुसार " शिक्षा मनोविज्ञान अपना अर्थ शिक्षा तथा मनोविज्ञान से ग्रहण करता है | शिक्षा सामाजिक प्रक्रिया है तथा मनोविज्ञान से ग्रहण करता है|शिक्षा सामाजिक प्रक्रिया है तथा मनोविज्ञान व्यवहार सम्बन्धी विज्ञान है |

शिक्षा मनोविज्ञान की परिभाषाएं (Definitions of Educational psychology)

स्किनर के अनुसार " शिक्षा मनोविज्ञान मानवीय व्यवहार का शैक्षिक परिस्थितियों में अध्ययन करता है |"

Education psychology is that branch of psychology which deals with teaching and learning". **– B.F. Skinner**

नल तथा अन्य " शिक्षा मनोविज्ञान मुख्य रूप से शिक्षा की सामाजिक प्रक्रिया से परिवर्तित या निर्देशित होने वाले मानव व्यवहार से सम्बंधित है | "

Education psychology deals with the behavior of human being in educational situations." **Null & Others.**

क्रो तथा क्रो " शिक्षा मनोविज्ञान,व्यक्ति के जन्म से वृद्धावस्था तथा सीखने के अनुभव का वर्णन और व्याख्या करता है | "

स्टीफन के अनुसार - " शिक्षा मनोविज्ञान, शैक्षिक विकास का क्रमबद्ध अध्ययन है | "

Educational psychology is a systematic study of educational growth. " **J.M. Stephon**

कॉलसनिक के अनुसार - " शिक्षा मनोविज्ञान के सिद्धांतों व परिणामों का शिक्षा के क्षेत्र में अनुप्रयोग है | "

Educational Psychology is the application of finding and theories of psychology in the field of education. " **W.B. Kolesnik**

शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति (Nature of Educational psychology)

शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति वैज्ञानिक है | यह विज्ञान अपनी विभिन्न खोजों के लिए वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग करता है तथा वैज्ञानिक विधियों से प्राप्त निष्कर्षो का उपयोग शैक्षिक समस्याओं के समाधान के लिए करता है| विभिन्न तथ्यों के आधार पर यह विज्ञान छात्रों की उपलब्धियों के सम्बन्ध में भविष्य कथन कर सकता है |

शिक्षा मनोविज्ञान के तथ्य , सिद्धांत , नियम सभी वैज्ञानिक विधियों द्वारा परीक्षित होता है | अतः इस विज्ञान की प्रकृति वैज्ञानिक है | इस सम्बन्ध में क्रो एण्ड क्रो ने लिखा है - " शिक्षा मनोविज्ञान को व्यवहारिक मनोविज्ञान माना जाता सकता है, क्योंकि यह मानव व्यवहार के सम्बन्ध में वैज्ञानिक विधियों, निश्चित किये गए सिद्धांतो और तथ्यों के आधार पर सीखने की व्याख्या करता है |

शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र (Scope of Educational Psychology)

शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र को सीमित करना एक कठिन कार्य है , क्योंकि मनोविज्ञान का यह क्षेत्र तीव्र गति से विकासमान है | नित नए अनुसंधानों के माध्यम से शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र विकसित हो रहा है | आर्चर का कथन इसकी पुष्टि करता है | आर्चर ने कहा है कि - यह बात उल्लेखनीय है कि जब हम शिक्षा मनोविज्ञान की नयी पाठ्य पुस्तक खोलते है , तब हम यह नहीं जानते की उसकी विषय सामग्री सम्भवतः क्या होगी |

शिक्षा मनोविज्ञान के मुख्य शिक्षा सम्बन्धी प्रकरणों को मोटे रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है |

1 अधिगमकर्ता के व्यक्तित्व के सम्बन्ध में अध्ययन |

2 अधिगमकर्ता की बौद्धिक क्षमता का अध्ययन |

3 अधिगमकर्ता की रुचियों का अध्ययन|

4 अधिगमकर्ता की संवेगात्मक |

5 अध्यापक के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन |

6 सीखने तथा सिखाने की क्रियाओं का अध्ययन |

7 अधिगमकर्ताओं के वैयक्तिक विभेदों का अध्ययन |

8 बच्चों तथा किशोरों की विभिन्न समस्याओं का अध्ययन |

9 शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए व्यूहरचना का अध्ययन |

10 विशिष्ट बालकों के लिए विशिष्ट शिक्षण विधियों का अध्ययन |

11 विषयों के चयन के लिए आधारभूत जानकारी का अध्ययन |

12 शिक्षण की विधियों , तकनीकों एवं पद्धतियों का अध्ययन |

13 मापन एवं मूल्याङ्कन के लिए प्रयुक्त विधियों के उपयोग का अध्ययन |

14 समूह को समाजोपयोगी कार्य करने की अभिप्रेरणा की विधियों की उपयोगिताओं का अध्ययन |

15 ऐसी शिक्षण विधियों को अपनाने के लिए अध्ययन करना,जिससे अधिगमकर्ता काम परिश्रम से तनावरहित रहकर स्वगति से अधिगम कर सके|

16 अधिगम की आवश्यकता के आधार पर पाठ्यक्रम का निर्माण करना |

ऊपर दिए गए बिंदु अंतिम नहीं है , इस सूचि को विस्तृत किया जा सकता है |

अतः हम कह सकते है कि " शिक्षण प्रक्रिया का नियोजन , संचालन तथा परिमार्जन पूर्णरूपेण शिक्षा मनोविज्ञान की कृपा पर आधारित है | लिंडग्रेन ने शिक्षा के सम्बन्ध में तीन केंद्रीय क्षेत्रों का वर्णन किया जो कि शिक्षा मनोवैज्ञानिकों तथा शिक्षकों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है | यह है सीखने वाला,सीखने की प्रक्रिया,सीखने की स्थिति सीखने वाला शैक्षिक प्रक्रिया में सीखने वाले का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है | कोई भी शिक्षण बिना शिक्षार्थी के नहीं हो सकता | सीखने वाले से हमारा तात्पर्य शिक्षार्थी से है जो अलग - अलग सामूहिक रूप से कक्षा में समूह बनाते है | कक्षा-कक्ष में शिक्षण बहुत बड़ी सीमा तक निर्भर होता है - विद्यार्थियों के व्यक्तित्व , विकास के स्तरों एवं उनकी मनोवैज्ञानिक समस्याओं पर | अतएव प्रभावशाली शिक्षण के लिए इन सबका ज्ञान तथा अनेक अन्य योग्यताओं तथा निहितार्थताओं की जानकारी की आवश्यकता होती है | इन सबसे शिक्षा मनोविज्ञान का बहुत गहरा सम्बन्ध है |